विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ,लक्खीसराय

रूपम कुमारी , वर्ग-सप्तम् , विषय-हिन्दी 🌷

दिनांक- २३/६/२०.

|| अध्ययन-सामग्री || आपके जीवन में परमात्मा ने एक और विशेष और शुभ दिन जोड़ दिया , इसलिए उन्हें दो पल के लिए आँखें मूँद कर धन्यवाद करें. 🌷🌷.

आज की कक्षा में हम समुच्चयबोधक के भेदों की चर्चा करेंगे -.

समुच्चयबोधक के भेद :.

समानाधिकरण समुच्चयबोधक-. जो समुच्चयबोधक समान स्थान, स्थिति वाले अर्थात स्वतंत्र पदों ,वाक्यांशों या उपवाक्यों को समानता के आधार पर एक दूसरे से

जोड़ते हैं उन्हें समानाधिकरण समुच्चयबोधक के नाम से जाना जाता है ; जैसे –

यह मेरा घर है और वह मेरे मित्र का ।

उसने खाना खाया या नहीं ।

सूरदास और तुलसीदास हिंदी के महान कवियों में गिने जाते हैं।

उपरोक्त वाक्य में और , या समुच्चयबोधक हैं । गौर करने पर पता चलता है कि तीनों वाक्य के वाक्यांश या पद समान स्थिति वाले हैं., जिन्हें समुच्चयबोधक अव्यय आपस में जोड़ने का कार्य कर रहे हैं. ।

समानाधिकरण समुच्चयबोधक के चार भेद हैं -

संयोजक – और ,

तथा ,व ,एवं

- ***विकल्प – या , का ,अथवा , चाहे आदि ।.***
- ***विरोधबोधक – किंतु ,परंतु ,वरन , लेकिन , बल्कि ,पर आदि ।.***
- ***परिणामबोधक – अत:, अतएव , इसलिए ,ताकि ,क्योंकि ,फलत:. इस कारण ।***

व्यधिकरण समुच्चयबोधक -. जो अव्यय शब्द एक प्रधानमंत्री उपवाक्यों में एक या एक से अधिक आश्रित उपवाक्यों को जोड़ते हैं ; उन्हें व्यधिकरण समुच्चयबोधक कहते हैं. ।

इसके चार भेद हैं -.

- ***कारणबोधक : क्योंकि , चूँकि , इसलिए , कारण से इत्यादि ।***

- ***संकेतबोधक :. यदि .., तो , यद्यपि .. तथापि (फिर भी) , जो .... , तो आदि ।.***
- ***स्वरूपबोधक -. यानी , अर्थात् , मानो , यहाँ तक आदि ।***
- ***उद्देश्य बोधक : इसलिए कि , जिससे कि , ताकि ।***
-

पाठ को पढ़कर समझें तथा कॉपी में लिखें ।.

कल हम इस पाठ से संबंधित प्रश्नावली लेकर उपस्थित होंगे ।